Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

HPPSC

Previous Year Paper

Subordinate Allied Services
Mains 2015 (General Hindi)

Teachingninja.in

This question paper contains 8+4 printed pages]

HPSAS (Main)—2015

HINDI

(General Hindi)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 150

1. निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 30

Art is the product of society, as the pearl is the product of the oyster, and to stand outside art is to stand inside society. The criticism of art differs from pure enjoyment or creation in that it contains a sociological component. In art criticism, values are ranged and integrated in a perspective or world-view which is a more general view of art from outside. It is an active view, implying an active living relation to art and not a cold contemplation of it, and implying therefore a view of art as active, with an explosive, energetic content. And it is a view of art,

P.T.O.

Teachingninja.in

not of society or of the mind. Although the other arts are discussed in their general relation to society, it was thought better to concentrate primarily on one particular art, that of poetry, because its ancient history and somewhat obsolescent appearance today raises crucial problems for the students of aesthetics.

अथवा

If it were man's nature to be no more than an individual, this desire would be incomprehensible and senseless, for as an individual he would than be a whole : he would be all that he would be capable of being. Man's desire to be increased and supplemented indicates that he is more than an individual. He feels that he can attain wholeness only if he takes possession of the experiences of

Teachingninja.in

others that might potentially be his own. Yet what a man apprehends as his potential includes everything that humanity as a whole is capable of. Art is the indispensable means for this merging of individual with the whole. It reflects his infinite capacity for association, for sharing experiences and ideas. In order to be an artist it is necessary to seize, hold and transform experience into memory, memory into expression, material into form.

2. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 15

(अ) जिन्हें धन-वैभव प्यारा है, साहित्य-मंदिर में उसके लिए स्थान नहीं। यहाँ तो उन उपासकों की आवश्यकता है, जिन्होंने सेवा को ही अपने जीवन की आवश्यकता मान लिया हो, जिनके दिल में दर्द की तड़प हो और मुहब्बत का जोश हो। अपनी इज्जत तो अपने हाथ है।

Teachingninja.in

अगर हम सच्चे दिल से समाज की सेवा करेंगे तो मान, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि सभी हमारे पाँव चूमेंगी। फिर मान–प्रतिष्ठा की चिंता हमें क्यों सताए ? और उसके न मिलने से हम निराश क्यों हों ? सेवा में जो आध्यात्मिक आनंद है, वही हमारा पुरस्कार है—हमें समाज पर अपना बड़प्पन जताने, उस पर रोब जमाने की हवस क्यों हो ? दूसरों से ज्यादा आराम के साथ रहने की इच्छा भी क्यों सताये ? हम अमीरों की श्रेणी में अपनी गिनती क्यों करायें ? जो आदमी सच्चा कलाकार है, वह स्वार्थमय जीवन का प्रेमी नहीं हो सकता। उसे अपनी मनसंतुष्टि के लिए दिखावे की आवश्यकता नहीं।

अथवा

साहित्य मस्तिष्क की वस्तु नहीं, हृदय की वस्तु है। जहाँ ज्ञान और उपदेश असफल होते हैं, वहाँ साहित्य बाजी ले जाता है। यही कारण है कि हम उपनिषदों

Teachingninja.in

और अन्य धर्मग्रंथों को साहित्य की सहायता लेते देखते हैं। हमारे धर्माचार्यों ने देखा कि मनुष्य पर सबसे अधिक प्रभाव मानव-जीवन के दुःख-सुख के वर्णन से ही हो सकता है और उन्होंने मानव-जीवन की वे कथाएँ रचीं जो आज भी हमारे आनंद की वस्तु हैं। बौद्धों की जातक कथाएँ, तौरेह कुरान, इंजील ये सभी मानवीय कथाओं के संग्रह-मात्र हैं। उन्हीं कथाओं पर बड़े-बड़े धर्म स्थिर हैं। उन कथाओं को निकाल दीजिए तो उस धर्म का अस्तित्व मिट जायेगा। हृदय द्वारा ही जनता की आत्मा तक अपना संदेशा पहुँचाया जा सकता है।

(ब) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 15

वर दे, वीणावादिनी वर दे।

प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव

भारत में भर दे!

Teachingninja.in

काट अन्ध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्भर,
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव,
नवल कंठ, नव जलद-मन्द्र रव;
नव नभ के नव विहाग-वृन्द को
नव पर नव स्वर दे!

अथवा

भाइयों और बहनों
यह दिन डूब रहा है
इस डूबते हुए दिन पर
दो मिनट का मौन

Teachingninja.in

जाते हुए पक्षी पर
रुके हुए जल पर
घिरती हुई रात पर
दो मिनट का मौन

जो है उस पर
जो नहीं है उस पर
जो हो सकता था उस पर
दो मिनट का मौन

गिरे हुए छिलके पर
टूटी हुई घास पर
हर योजना पर
हर विकास पर
दो मिनट का मौन

Teachingninja.in

इस महान शताब्दी पर

महान शताब्दी के

महान इरादों पर

महान शब्दों

और महान वादों पर

दो मिनट का मौन

भाइयों और बहनों

इस महान विशेषण पर

दो मिनट का मौन

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिये : 40

(क) विश्व शांति और परमाणु शक्ति

(ख) डिजीटल इंडिया

(ग) भारत का सांस्कृतिक संकट और किसानों की आत्महत्या

Teachingninja.in

(घ) कला की कालजयी प्रकृति

(ङ) लेखक की सामाजिक प्रतिबद्धता और रचनात्मक ईमानदारी।

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 20

(1) इतनी रात गई आप कहाँ थीं।

(2) मोर के पास सुंदर पंख होते हैं।

(3) पाकिस्तान ने गोले और तोपों से आक्रमण किया।

(4) आप की बात सुनते-सुनते कान पक गए।

(5) मैं आप का दर्शन करने आया हूँ।

(6) महाभारत का युद्ध अटठ्ारह दिनों में लड़ा गया।

(7) पाँचवें दिन शत्रु ने हथियार रख दिये।

(8) अब पढ़ लिया जाये।

(9) इस पर्वतीय क्षेत्र में सर्वस्व शांति है।

(10) यह बुद्धिमान स्त्री है।

Teachingninja.in

5. (क) निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 10

(1) आटे दाल का भाव मालूम होना

(2) आसमान सिर पर उठा लेना

(3) गागर में सागर भरना

(4) निन्यानवे के फेरे में पड़ना

(5) आमों की कमाई नींबू में गँवाई

(6) आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास

(7) सहज पके सो मीठा होय

(8) चोर नारि जिमि प्रकट न रोई

(9) चींटी के पर निकलना

(10) अपनी करनी पार उतरनी

(ख) निम्नलिखित शब्दों के हिंदी में अर्थ लिखिए : 10

(1) Animal Husbandry

(2) Ancillary

Teachingninja.in

(3) Bilateral

(4) Taxation

(5) Annexure

(6) Admonition

(7) Brochure

(8) Manual

(9) Ecstasy

(10) Auxiliary.

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक** शब्द बताइये : 5

(1) मयूर की तरह आँखों वाली

(2) जो स्वयं पैदा हुआ हो

(3) जिसका कोई संरक्षक न हो

(4) एक ही काल से संबंधित

(5) युद्ध करने की इच्छा।

Teachingninja.in

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए : 5

(1) अथ

(2) अबेर

(3) गृहस्थ

(4) वृद्धि

(5) मिलन।

Teachingninja.in